महासमर उपन्यास में आधुनिकता बोध

शैली सिंह

महासमर कालजयी कथाकार एवं मनीषी डॉ0 नरेन्द्र कोहली का सर्वाधिक प्रसिद्ध महाकाव्यात्मक उपन्यास हिन्दी साहित्य की सर्वप्रसिद्ध रचनाओं में अग्रगण्य है। महाभारत पर आधारित कथानक चार हजार पृष्ठों में आठ खण्डों में बँटा हिन्दी साहित्य की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महासमर–बंधन, अधिकार, कर्म, धर्म, अंतराल, प्रच्छन्न, प्रत्यक्ष, निर्बंध इन आठ खण्डों में बंटा हुआ उपन्यास है। महासमर में कोहली अपने सभी खण्डों में आधुनिकता का बोध कराते हैं।

राजनीतिक आधुनिकता बोध भी महासमर में दिखाई देता है। सामान्य रूप से राजनीति का अर्थ–राज्य के नीति नियम अर्थात् जनता के सामाजिक एवं आर्थिक स्तर को ऊँचा करना राजनीति है, किन्तु हर युग में जब मनुष्य एक बार राजनीति में प्रवेश करता है तब धीरे–धीरे सत्ता के प्रति मोह बढ़ता जाता है और वह उस पर विराजमान बने रहने के लिए हर हथकंडे अपनाने लगता है। उचित–अनुचित का कोई ज्ञान नहीं रहता और यहीं से धीरे–धीरे भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, अनैतिक कार्य, शोषण, आपसी द्वेष, अराजक तत्वों को बढ़ावा इत्यादि बढ़ता है। राजनीति में अयोग्य व्यक्तियों का प्रवेश होने से स्थिति और भयावह हो गई है।